विद्यार्थी जीवन में योग का महत्त्व विषय पर सारस्वत व्याख्यान निःसंदेह आज के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विभास एवं प्रतिभा प्रभास लिए सर्वतोभावेन समीचीन एवं प्रासंगिक है ।इस कार्यक्रम के संयोजन ,संवर्धन , मार्गदर्शन एवं अनुमति में आदरणीय कुलपति जी आपने जो त्वरा- तत्परता दिखाई है उसके लिए हम आपके आभारी हैं ।

आपकी अकुतोभय प्रकृति , अप्रतिहतगमना प्रवृत्ति, सारस्वत सुकृति एवं सहज- सुलभ लोक सम्पृक्ति आपको अनन्य एवं अप्रतिम बनाती है । आपका विद्यार्थियों के प्रति वात्सल्य, उनके भविष्य के प्रति निष्कम्प सद्चिंतन, शिक्षा-स्वास्थ्य के प्रति अनुरंजन सहज वरेण्य है । निश्चित ही आज योग का कार्यक्रम आपके सुयोग से स्वतःस्फूर्त एवं सार्थक हो रहा है ।मैं बारम्बार आपके प्रति नत- प्रणत हूँ ।

मैं संस्थान की निदेशिका डॉ निशा शर्मा जी के प्रति भी प्रणत भाव व्यक्त करता हूँ ।आपका सारस्वत-संधान, निर्णय-निकष विधान , भारती भास्वर भाल एवं लोक हितैषी गति-ताल वंदनीय-अभिनन्दनीय है ।

अब मैं ऋषि कल्प, आर्ष पुरुष एवं योग संस्कृति के आधुनिक उद्धारक सूर्यपुत्र योगाचार्य शिवराम गुप्ता जी का आह्वान करता हूँ वह अपने अनुभव एवं ज्ञान से हम सबको अभिसिंचित करें ।